मॉडर्न फूड इंडस्ट्री के खिलाफ केन्द्रीय जांच ब्यूरो की जांच

1134. **श्री नरेश यादव** : क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मार्डन फूड इंडस्ट्री की कोई जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की गई थी और यदि हां, तो इस तरह की जांच-पड़ताल का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में पता लगाये गये घोटाले में कितनी धनराशि अन्तर्ग्रस्त थी ;

(ख) क्या उक्त प्रतिवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है ; और

(ग) यदि हां, तो उस पर कोई कार्यवाही न करने के क्या कारण हैं और इस घोटाले में अन्तर्ग्रस्त दोषी अधिकारियों के नाम और पते क्या-क्या हैं ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) से (ग) केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने एक मामला दर्ज किया था और जांच करने के बाद कमनी के एक अधिकारी द्वारा 5000 रु० रिश्वत लेने के अभियोग की विभागीय जांच शुरू करने की सिफारिश की थी। मामले में अनुशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मॉडर्न फूड इंडस्ट्री का उत्पादन

1135. **श्री नरेश यादव** : क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मॉडर्न फूड इंडस्ट्रीब्रेड, शीतल पेय और अन्य खाद्य सामग्रियां बनाती हैं ;

(ख) यदि हां, तो देश में किन-किन स्थानोंपर इनके कारखाने लगे हुये हैं, इनमें किस-किस प्रकार के उत्पादों को तैयार किया जाता है और इन कारखानों की संख्या कितनी है ;

(ग) उनकी क्षमता कितनी है और पिछले तीन वर्षों के दौरान हुये उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(घ) कम उत्पादन और कारखाना बन्द रहने के क्या कारण हैं ; और

(ङ) क्या सरकार संसदीय समिति से अथवा केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा इसकी जांच-पड़ताल करायेगी, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) मॉडर्न फूड इंडस्ट्रीज (इं०) लि०, ब्रेड, बन, केक, उर्जा खाद्य, एक्सट्रूडिड फूड और फल रस बनाती है।

(ख) ब्यौरे कृपया विवरण I पर देखें **(नीचे देखिए)**

(ग) ब्यौरे कृपया विवरण–II और III पर देखें **(नीचे देखिए)** ।

(घ) जहां तक कंपनी के बेकरी कार्यों का संबंध है बाजार में अधिक प्रतियोगिता और सरकारी एजेंसियों द्वारा कम मांग किए जाने के कारण कुछ यूनिटों में कम उत्पादन हुआ है। पिछले तीन सालों के दौरान कंपनी की किसी भी यूनिट में तालाबंदी नहीं हुई । कंपनी ने अपनी उज्जैन यूनिट को कम उत्पादन, जरूरत से अधिक कर्मचारियों, श्रमिक समस्याओं, संयंत्रको कम और गैर किफायती क्षमता तथा संयंत्र और मशीनरी के अप्रचालित होने के कारण 1–4–94 से बन्द क दिया । पिछले तीन वर्षों के दौरान गै किफायती व्यवहार्यता और श्रमिक समस्याओं के कारण भागलपुर स्थित फल गूदा यूनिट में कोई उत्पादन नहीं हुआ यूनिट में 5–6–90 से 17–10–93 तक